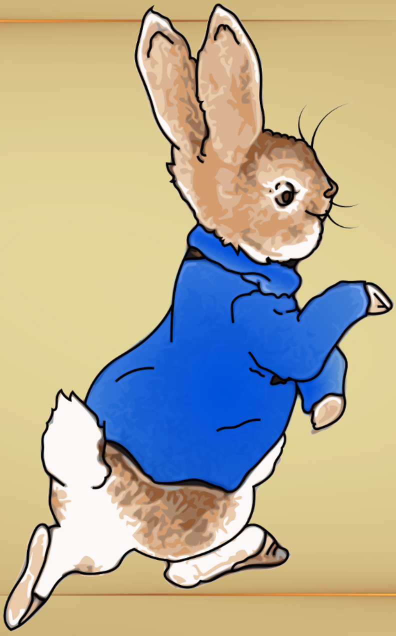
पीटर खरगोश की कहानी

आशा श्रीवास्तव



बीएट्रिक्स पॉटर की विश्वविख्यात कृतियों
'द टेल ऑफ़ पीटर रैबिट' और 'द टेल ऑफ़ बेंजमिन बनी'
का हिन्दी रूपांतरण

पीटर खरगोश की कहानी

मूल रचना

बीएट्रिक्स पॉटर

हिंदी लेखन

आशा श्रीवास्तव

आलोक श्रीवास्तव

आदित्य श्रीवास्तव

ISBN: ISBN-13: 978-1982060534

ISBN-10: 1982060530

प्रथम संस्करण: 2017



पीटर खरगोश की कहानी

एक समय की बात है चार छोटे खरगोश हुआ करते थे, और उनके नाम थे—

फ्लोप्सी,

मोप्सी,

कॉटन-टेल,

और पीटर

वे अपनी माँ के साथ, एक बहुत बड़े देवदार के पेड़ की जड़ों के नीचे, रेत के एक ढेर में रहा करते थे।



'अब, मेरे प्यारों,' बूढ़ी मिसेज़ खरगोश ने एक सुबह कहा, 'तुम खेतों या नीचे बने संकरे रास्ते में जा सकते हो, लेकिन ध्यान रहे तुम मिस्टर मैकग्रेगर के बगीचे में मत जाना; वहां तुम्हारे पिता के साथ दुर्घटना घटी थी; मिसेज मैकग्रेगर ने उन्हें कचौड़ी में तल कर खा लिया था।'





‘अब जाओ, और किसी मुसीबत में मत फंसना। मैं बाहर जा रही हूँ।’

उसके बाद बूढ़ी मिसेज़ खरगोश ने एक टोकरी और अपना छाता लिया, और जंगल से होते हुए नानबाई[1] के यहाँ चली गयीं। वहां उन्होंने एक पैकेट भूरी ब्रेड और मुनक्के भरी पाँच मीठी पावबन खरीदी।



[1] ब्रेड, बिस्कुट इत्यादि पकाकर बेचनेवाला।



फ्लोप्सी, मोप्सी और कॉटन-टेल, जो बहुत ही अच्छे छोटे खरगोश थे, जामुनों को इकट्ठा करने के लिए संकरे रास्ते से नीचे गये।

लेकिन पीटर, जो बहुत शरारती था, दौड़ता हुआ सीधे मिस्टर मैकग्रेगर के बगीचे में चला गया, और बगीचे के गेट के नीचे दब गया!





गेट से निकलने के बाद सबसे पहले उसने सलाद बनाने के कुछ पौधों और कुछ फ्रांसीसी सेमों को खाया; और उसके बाद उसने कुछ मूलियों को खाया;

और उसके बाद, कुछ उलटी महसूस होने पर, वह थोड़ी अजवाइन पाने की तलाश में आगे निकल गया।





लेकिन ककड़ी के खेत के सिरे के समीप, मिस्टर मैकग्रेगर के सिवाय उससे कौन मिल सकता था!

मिस्टर मैकग्रेगर अपने हाथों और घुटनों के बल नन्ही बंदगोभियों को बो रहे थे, लेकिन अचानक ही वह उछल कर खड़े हो गये और पीटर के पीछे दौड़ पड़े, रेक[2] को लहराते हुए और चिल्लाते हुए, 'रुको चोर!'



[2] रेक (rake)- घास इकट्ठा करने का औजार।



पीटर बहुत बुरी तरह से भयभीत हो गया था; वह पूरे बगीचे में दौड़ता रहा, क्योंकि गेट तक वापस जाने का रास्ता वह भूल चुका था।

उसने अपने एक जूते को बंदगोभियों के बीच में खो दिया था, तो दूसरे वाले को आलू के पौधों के बीच।

जूतों के खोने के बाद, वह अपने चारों पैरों पर दौड़ पड़ा और ज्यादा तेज भागने लगा, जिस वजह से मैं सोचती हूँ कि कुलमिलाकर वह बच निकलने में कामयाब हो सकता था यदि बदकिस्मती से वह करौंदे की जाली में न फंस गया होता, और उसकी जैकेट पर लगे बड़े बटन जाली में उलझ न गये होते। यह उसकी नीली जैकेट थी जिस पर पीतल के बिलकुल नये बटन लगे थे।



पीटर, खुद हिम्मत हार चुका था, और वह मोटे-मोटे आंसू बहाते हुए रोने लगा; लेकिन उसकी सिसकियों को कुछ दोस्त गौरैयाओं ने सुन लिया था, वे गौरैयायें बड़े आवेश से उसके पास उड़ते हुए आयीं, और उससे विनती की, कि जोर लगाकर वह खुद को बाहर निकालने की कोशिश करे।



तभी मिस्टर मैकग्रेगर एक छलनी लेकर वहां पहुँच गये, जिसे वह पीटर के ऊपर अचानक डालने का इरादा रखते थे; लेकिन ठीक वक्त पर पीटर, अपनी जैकेट को पीछे छोड़ते हुए उस छलनी से बच निकला।





और दौड़ते हुए वह औजार-रखने वाले कमरे में भागा, और हजारे[3] में कूद गया। इसमें छिपना एक अच्छी बात हो सकती थी, यदि इसके भीतर इतना अधिक पानी न भरा होता।

[3] पेड़-पौधों पर पानी डालने के लिए इस्तेमाल होने वाला बर्तन।



मिस्टर मैकग्रेगर को पूरा यकीन था कि पीटर, औजार-रखने वाले कमरे में ही कहीं छिपा हुआ था, शायद किसी गमले के नीचे। उन्होंने एक-एक गमले को सावधानी से उलट कर प्रत्येक के नीचे देखना शुरू किया।

जल्द ही पीटर को छींक आ गयी- ‘आक-छूं!’ मिस्टर मैकग्रेगर को पीटर का पता लगाने में तनिक देर न लगी।

और उन्होंने पीटर के ऊपर अपना पैर रखने की कोशिश की, जो उछल कर खिड़की से बाहर निकल गया था। और ऐसा करने में पीटर ने तीन गमलों में लगे पौधों को गमलों सहित गिरा दिया। यह खिड़की मिस्टर मैकग्रेगर के लिए बहुत छोटी थी, और



पीटर के पीछे दौड़ते-दौड़ते वह काफी थक गये थे। मिस्टर मैकग्रेगर वापस अपने काम को करने के लिए चले गये।

पीटर सुस्ताने के लिए बैठ गया; वह हांफ रहा था और भय से बुरी तरह काँप रहा था, और उसे इस बात का तनिक भी अंदाजा नहीं था कि उसे किस रास्ते जाना है। साथ ही उस हजारे में बैठने की वजह से वह बहुत गीला हो गया था।

कुछ देर बाद उसने इधर-उधर भटकना शुरू किया, बहुत धीरे-धीरे- न कि बहुत तेजी से, और चारों तरफ देखने लगा।





उसे दीवार में एक दरवाजा मिला; लेकिन इस पर ताला लगा था, और एक मोटे से छोटे खरगोश के लिए इसके नीचे से दबकर निकलने के लिए कोई भी जगह नहीं थी।

एक बूढ़ी चुहिया, जो दरवाजे पर बनी पत्थर की दहलीज से अंदर-बाहर आ-जा रही थी, मटर और सेम को अपने परिवार के लिए लकड़ी के बने एक छेद में ले जा रही थी। पीटर ने उससे गेट का रास्ता पूछा, लेकिन उस चुहिया ने मुंह में इतनी बड़ी मटर रखी हुयी थी कि वह उत्तर न दे सकी। चुहिया ने पीटर को देखकर इनकार करते हुए अपने सिर को हिलाया। पीटर ने फिर से रोना शुरू कर दिया।



उसके बाद पीटर ने सीधे बगीचे के बीच से अपना रास्ता तलाशने की कोशिश की, लेकिन वह ज्यादा और ज्यादा भ्रमित हो गया। जल्द ही, वह उस तालाब के पास पहुँचा जहाँ मिस्टर मैकग्रेगर अपने हजारे को भरा करते थे। एक सफेद बिल्ली तालाब की सुनहरी मछलियों को घूर रही थी, बिल्ली स्थिर, बिलकुल स्थिर बैठी थी, लेकिन समय-समय पर वह अपनी पूँछ के अगले हिस्से को ऐसे झटक रही थी मानो यह जीवित हो। पीटर ने अपने चचेरे भाई, छोटे बेंजमिन खरगोश, से बिल्लियों के बारे में सुन रखा था; इसलिए पीटर ने सोचा कि बिल्ली से बात किये बिना ही चुपचाप निकल जाना सबसे बेहतर होगा।



वह वापस औजार-रखने वाले कमरे की तरफ चला गया, लेकिन अचानक ही, खुद के बिलकुल करीब से, उसने एक कुदाल के चलाए जाने का शोर सुना — खोदना, खोदना, खोदना, खुदाई। पीटर दौड़कर झाड़ियों के अंदर चला गया। लेकिन जल्द ही, जब कुछ भी घटित नहीं हुआ, तो वह निकल कर बाहर आया, और एक-पहिये की ठेलागाड़ी के ऊपर चढ़ गया और चारों तरफ देखने लगा। सबसे पहली चीज जो उसने देखी वह यह थी कि मिस्टर मैकग्रेगर प्याज को कुदाल से बाहर निकाल रहे थे। मिस्टर मैकग्रेगर की पीठ पीटर की तरफ झुकी हुयी थी, और उनसे दूरी पर गेट था!

पीटर धीरे से चुपचाप उस एक पहिये वाली ठेला गाड़ी से नीचे उतर गया, और जितनी तेजी से वह दौड़ सकता था उसने काले मुनक्के की झाड़ियों की सीध में बने रास्ते से सटकर दौड़ना शुरू कर दिया।



एक कोने पर मिस्टर मैकग्रेगर को पीटर नजर आया, लेकिन पीटर ने इस बात की परवाह नहीं की। वह फिसलते हुए गेट के नीचे से निकल गया, और आखिरकार बगीचे के बाहर के जंगल में पहुँच कर वह सुरक्षित था।

काली चिड़ियों को डराने के लिए मिस्टर मैकग्रेगर ने एक कागभगोड़ा बनाया, और फिर पीटर की जैकेट और जूतों को उस कागभगोड़े पर लटका दिया।

पीटर ने भागना तब तक नहीं रोका या उसने पीछे मुड़कर तब तक नहीं देखा जब तक कि वह बड़े देवदार के पेड़ के पास, अपने घर तक नहीं पहुँच गया।



वह इतना थक गया था कि अपने घर के बिल की फर्श पर बिछी मुलायम बालू पर पसर गया और अपनी आँखें बंद कर ली। इस समय उसकी माँ खाना पकाने में व्यस्त थी; उसकी माँ ने जानना चाहा कि उसने अपने कपड़ों के साथ क्या किया था। यह वह दूसरी छोटी जैकेट और जूतों का जोड़ा था जिसे पीटर ने एक पखवाड़े के भीतर गंवा दिया था।



मुझे कहते हुए खेद है कि उस पूरी शाम पीटर की तबीयत बहुत अच्छी नहीं थी।

उसकी माँ ने उसे उठाकर बिस्तर पर लिटाया, और थोड़ी-सी कैमोमाइल[4] चाय बनाई; और इसकी एक खुराक पीटर को दी!

[4] कैमोमाइल (camomile)- तेज खुशबू और कड़वे स्वाद वाली एक चाय, जिसे औषधि के रूप में इस्तेमाल किया जाता है।



'एक पूरा चम्मच रात को सोते समय दिया जायेगा।' माँ बोली।

किन्तु रात के खाने के लिए फ्लोप्सी, मोप्सी, और कॉटन-टेल ने ब्रेड, दूध और जामुन लिया था।



~समाप्त~

बेंजमिन खरगोश की कहानी




Josephine Rabbit
licensed to sell
Tea & Tobacco

बेंजमिन खरगोश की कहानी



एक सुबह एक छोटा खरगोश एक नदी के किनारे बैठा था।

वह अपने कान खोद रहा था और एक पोनी[5] की टाप-टाप, टाप-टाप को सुन रहा था। सड़क पर एक घोड़ागाड़ी आ रही थी; और इसे मिस्टर मैकग्रेगर चला रहे थे, और उनके बगल में मिसेज़ मैकग्रेगर अपनी सबसे बढ़िया टोपी में थीं।

---

[5] पोनी (Pony)-एक तरह का नाटा घोड़ा।



जैसे ही वे वहाँ से गुजरे, नन्हा बेंजमिन खरगोश सरक कर सड़क पर आ गया और--उछलते, कूदते और फुदकते हुए--अपने रिश्तेदारों को बुलाने के लिए निकल पड़ा, जो मिस्टर मैकग्रेगर के बगीचे के पीछे एक जंगल में रहते थे।



वह जंगल कई सारे खरगोशों के बिलों से भरा हुआ था; और सबसे साफ़-सुथरे, रेतीले बिल में बेंजमिन की चाची और उसके चचेरे भाई-बहन रहा करते थे जिनके नाम थे--

फ्लोप्सी,

मोप्सी,

कॉटन-टेल,

और पीटर।



बूढ़ी मिसेज़ खरगोश एक विधवा थी; और वह अपनी रोजी-रोटी के लिए खरगोशों के ऊनी-दस्तानों और मफटीस[6] (मैंने एक बार बाजार से इसका एक जोड़ा खरीदा था) बुना करती थीं। वह जड़ी-बूटियों और रोज़मैरी[7] की चाय, और रैबिट-टोबैको[8] (जिसे हम लैवेंडर[9] बुलाते हैं) भी बेचा करती थी।

---

[6] मफ़ाटीस (Muffatees)- ऊनी दस्ताने जिनमें पहनने वाले की अँगुलियों खुली रहती हैं।

[7] रोज़मैरी (Rosemary)-खुशबूदार झाड़ी जिसकी पत्तियों को चाय में मिलाने पर ठंडक देने वाला एहसास होता है।

[8] रैबिट-टोबैको (Rabbit Tobacco)-यह आम भाषा में सफ़ेद फूलों वाली एक आयुर्वेदिक जड़ी-बूटी होती है। लेकिन इंग्लैण्ड में लैवेंडर को "रैबिट-टोबैको" कहा जाता है।



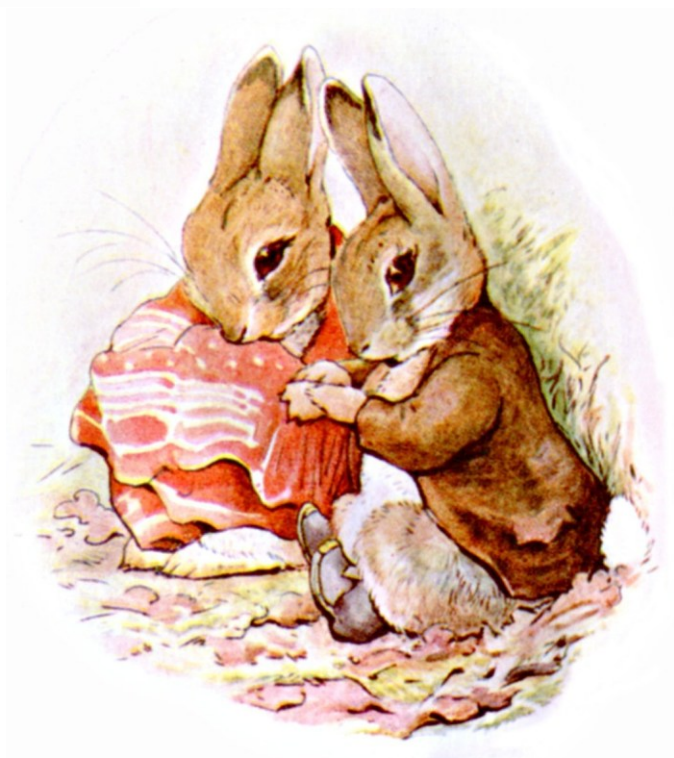
नन्हा बेंजमिन अपनी चाची से बिलकुल नहीं मिलना चाहता था।

वह देवदार के पीछे से घूमकर आया, और अपने चचेरे भाई पीटर के ऊपर लगभग गिर पड़ा।

पीटर, अकेले बैठा था। वह बेहाल दिख रहा था, और उसने लाल सूती रुमाल पहन रखा था।

"पीटर," नन्हे बेंजमिन ने फुसफुसाते हुए कहा, "तुम्हारे कपड़ों को कौन ले गया?"

पीटर ने जवाब दिया, "मिस्टर मैकग्रेगर के बगीचे का कागभगोड़ा," और उसने उसे बताया कि कैसे उसे बगीचे में



[9] लैवेंडर (Lavender)-यूरोपीय देशों में होने वाली एक झाड़ी जिसके बहुत खुशबूदार बैंगनी फूल होते हैं। इसका इस्तेमाल इत्र में किया जाता है।



खदेड़ा गया और कैसे उसने अपने जूतों और कोट को गिरा दिया।

नन्हा बेंजमिन अपने चचेरे भाई के बगल में बैठ गया और उसने उसे विश्वास दिलाया कि मिस्टर मैकग्रेगर एक घोड़ागाड़ी में बाहर चले गए हैं, और उनके साथ मिसेज़ मैकग्रेगर भी थी; और ऐसा निश्चित रूप से दिन भर के लिए था, क्योंकि मिसेज़ मैकग्रेगर ने अपनी सबसे बढ़िया टोपी पहन रखी थी।

पीटर ने कहा कि उसकी इच्छा है कि काश बारिश हो जाए।

इस जगह पर बूढ़ी मिसेज़ खरगोश की आवाज खरगोश के बिल के अन्दर से सुनाई दी, जो चिल्ला रही थी: "कॉटन-टेल! कॉटन-टेल! जाओ थोड़ी और कैमोमाइल[10] ले आओ!"

पीटर ने कहा कि उसे लगता है कि वह बेहतर महसूस करेगा यदि वह बाहर टहलने जाए।

---

[10] कैमोमाइल (camomile)- तेज खुशबू और कड़वे स्वाद वाली एक चाय, जिसे औषधि के रूप में इस्तेमाल किया जाता है।



वे हाथ में हाथ लिए बाहर चले गए, और जंगल के नीचे एक दीवार के समतल ऊपरी भाग पर चढ़ गए। वहाँ से उन्होंने मिस्टर मैकग्रेगर के बगीचे में देखा। पीटर का कोट और जूते कागभगोड़े के ऊपर साफ़ दिख रहे थे, जिसके ऊपर मिस्टर मैकग्रेगर की पुरानी टैम-ओ-शैंटर[11] थी।



नन्हे बेंजमिन ने कहा: "गेट के नीचे से दबकर निकलने से लोगों के कपड़े खराब हो जाते हैं; अन्दर आने का सही तरीका नाशपाती के पेड़ पर चढ़ना है।"

पीटर अपने सिर के बल गिरा;

[11] टैम-ओ-शैंटर (tam-o'-shanter)-स्कॉटलंड के निवासियों द्वारा पहनी जाने वाली टोपी।



लेकिन इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ा, क्योंकि नीचे की क्यारी को हाल में ही रेक[12] से साफ़ किया गया था और वह बिलकुल मुलायम थी।

उसपर सलाद में इस्तेमाल होने वाले पौधों को बोया गया था।

उन्होंने क्यारियों पर हर जगह ढेर सारे पैरों के अजीब निशान छोड़ दिए--ख़ास तौर से नन्हे बेंजमिन ने, जिसने क्लॉग्स[13] पहने हुए थे।



नन्हे बेंजमिन ने कहा कि पहला काम पीटर के कपड़ों को वापस हासिल करना है, जिससे कि वे रुमाल का इस्तेमाल कर सकें।

उन्होंने उन कपड़ों को कागभगोड़े से उतारा। रात में बारिश हुई थी; जूतों में पानी था, और कोट कुछ

---

[12] रेक (rake)- घास इकट्ठा करने का औजार।

[13] क्लॉग्स (Clogs)-जूता अथवा चप्पल जिसके तलवे लकड़ी के बने होते हैं।



हद तक सिकुड़ गया था।

बेंजमिन ने टैम-ओ-शैंटर पहनने की कोशिश की, लेकिन वह उसके लिए बहुत बड़ी थी।

फिर उसने सलाह दी कि अपनी चाची के लिए छोटे-से तोहफे के रूप में उन्हें रुमाल को प्याज से भर लेना चाहिए।

ऐसा लगता था कि पीटर को मजा नहीं आ रहा था; उसे लगातार शोर सुनाई दे रहा था।



इसके विपरीत, बेंजमिन, बिलकुल अपने घर जैसा महसूस कर रहा था, और उसने एक सलाद का पत्ता खाया। उसने कहा कि रविवार के अपने रात्रिभोज के लिए उसे अपने पिता के साथ बगीचे में आने की आदत थी।

(बेंजमिन के पिता का भी नाम मिस्टर बेंजमिन खरगोश था।)

सलाद के पत्ते निश्चित रूप से बहुत अच्छे थे।

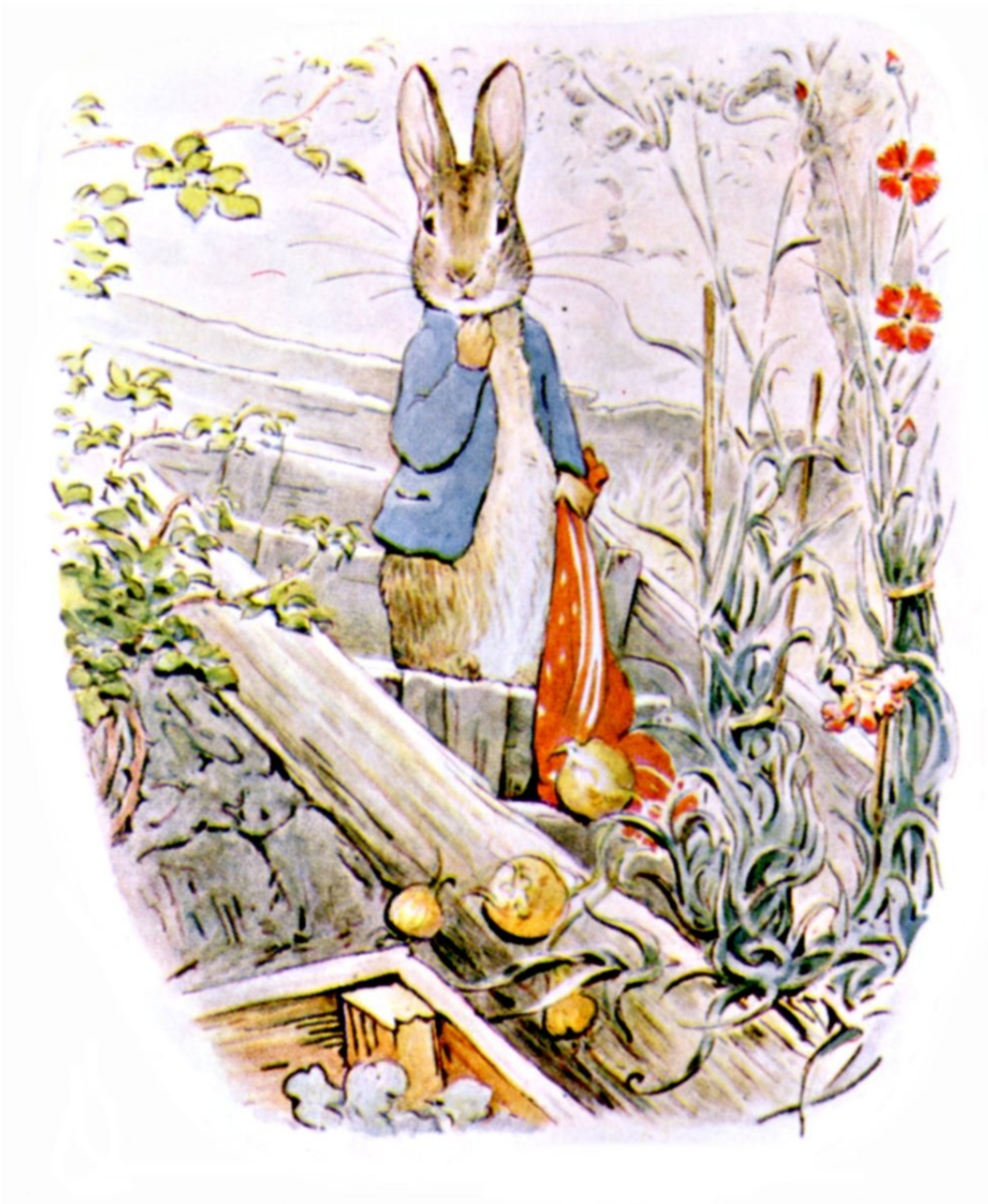
पीटर ने कुछ भी नहीं खाया; उसने कहा कि वह घर जाना चाहता है। जल्द ही उसने आधे प्याज गिरा दिए।





नन्हे बेंजमिन ने कहा कि ढेर सारी सब्जियों के साथ नाशपाती के पेड़ पर वापस चढ़ना संभव नहीं है। वह निडरता से बगीचे के दूसरे सिरे तक रास्ते का मार्गदर्शन करता गया। वे धूपदार, लाल ईंट की दीवार के नीचे, पटरों के बने छोटे से रास्ते पर चलते गए।

अपनी दहलीज पर बैठकर चूहे चेरी-स्टोन्स[14] चटका रहे थे; उन्होंने पीटर खरगोश और नन्हे बेंजमिन खरगोश को देखकर आँखें झपकाईं।



जल्दी ही पीटर ने रुमाल को फिर से गिरा दिया।

[14] चेरी-स्टोंस (cherry-stones)-चेरी नामक फल की गुठली।

वे फूलों के गमलों, और चौखटों, और टबों के बीच चले गए। पीटर ने और भी ज्यादा खराब आवाजें सुनी; उसकी आँखें लॉलीपॉप जितनी बड़ी हो गई!

वह अपने चचेरे भाई के एक या दो कदम आगे था जब वह अचानक रुक गया।





वह यह था जिसे उन नन्हे खरगोशों ने उस कोने पर देखा!

नन्हे बेंजमिन ने एक नजर डाली, और फिर, आधे मिनट से भी कम समय में, उसने खुद को और पीटर को और प्याजों को एक बड़ी टोकरी के नीचे छिपा लिया...



बिल्ली उठी और उसने अँगड़ाई ली, और उसने आकर टोकरी को सूंघा।

शायद उसे प्याजों की सुगंध अच्छी लगती थी!

जो भी हो, वह टोकरी के ऊपर बैठ गई।



वहाँ पर वह पाँच घंटों तक बैठी रही।

******

मैं तुम्हारे लिए टोकरी के नीचे पीटर और बेंजमिन की तस्वीर नहीं बना सकती हूँ, क्योंकि वहाँ पर बिलकुल अँधेरा था, और क्योंकि प्याजों की खुशबू बहुत खराब थी; इसने पीटर खरगोश और नन्हे बेंजमिन को रोने पर मजबूर कर दिया।



जंगल के पीछे सूरज घूम गया, और दोपहर में बहुत देर हो गई थी; लेकिन बिल्ली अभी भी टोकरी पर बैठी थी।

बहुत देर बाद वहाँ पर खटर-पटर, खटर-पटर होने लगा, और ऊपर की दीवार से चूने-गारे के कुछ टुकड़े गिरे।

बिल्ली ने ऊपर देखा और उसने ऊपरी छत की दीवार के ऊपर बूढ़े मिस्टर बेंजमिन खरगोश को कूदते-फांदते देखा।



वह रैबिट-टोबैको वाले पाइप से धूम्रपान कर रहे थे, और उनके हाथ में एक छोटी-सी टहनी थी।

वह अपने बेटे की तलाश कर रहे थे।

बिल्लियों के बारे में बूढ़े मिस्टर खरगोश की कोई भी राय नहीं थी।

उन्होंने दीवार के ऊपर से बिल्ली के ऊपर बहुत अच्छी छलांग लगाई, उसे मुक्का मारकर उसे टोकरी से दूर कर दिया, और उसके मुट्ठीभर रोएँ खरोंचते हुए, लात मारकर ग्रीन-हाउस[15] में ढकेल दिया।



वापस खरोंचने के लिए बिल्ली बहुत ज्यादा आश्चर्यचकित थी।

बूढ़े मिस्टर खरगोश ने बिल्ली को ग्रीन-हाउस में भगाकर, दरवाजे को तालाबंद कर दिया।

फिर वह वापस टोकरी के पास आये और

[15] ग्रीन-हाउस (green-house)- छोटे पेड़ों को हरा रखने के लिए कांच का घर।

अपने बेटे बेंजमिन के कान पकड़कर उसे बाहर निकाला, और छोटी टहनी से उसकी पिटाई की।



फिर उन्होंने अपने भतीजे पीटर को निकाला।

फिर उन्होंने प्याजों से भरे रुमाल को निकाला, और बगीचे के बाहर चले गए।

जब आधे घंटे बाद मिस्टर मैकग्रेगर लौटे, तो उन्होंने कई सारी चीजों को देखा जिन्होंने उनको उलझन में डाल दिया।



देखने में ऐसा लगता था जैसे कोई आदमी क्लॉग्स के जोड़े में बगीचेभर में चला हो--केवल पैरों के निशान बहुत हास्यास्पद ढंग से छोटे थे!



वह यह भी नहीं समझ पाए कि बिल्ली ने खुद को ग्रीनहाउस में बंद करके दरवाजे के बाहर ताला कैसे लगाया।

जब पीटर घर पहुँचा उसकी माँ ने उसे माफ कर दिया, क्योंकि वह यह देखकर खुश थी कि उसने अपने जूतों और कोट को खोज लिया था। कॉटन-टेल और पीटर ने रुमाल को मोड़ा, और बूढ़ी मिसेज़ खरगोश ने, प्याजों को डोरी से बांधकर जड़ी-बूटियों और रैबिट-टोबैको के गुच्छों के साथ, रसोई की अंदरूनी छत पर लटका दिया।

~समाप्त~